ऊबो थारी हाजरी बजाऊं मावड़ी बोल कुण सो भजन सुनाऊं मावड़ी

ऊबो थारी हाजरी बजाऊं मावड़ी ,
बोल कुण सो भजन सुनाऊं मावड़ी ।
बोल कुणसी सेवा निभाउँ मावड़ी,
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ||

भाव भजन म्हारे समझ ना आये,
भाव में तो हिवड़ो भर-भर आये |
बोल कितना आँसुड़ा बहाऊँ मावड़ी,
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ||

हर्ष भरूं या सिणगार मैं गाऊं,
किन विधि थारा वारणा उतारूँ ।
शब्द के सिणगार के सजाऊँ मावड़ी,
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ||

तन-मन-धन दादी तेरो है,
कुछ भी नहीं प्रभु मेरो है ।
चरणां में भेंट के चढाऊँ मावड़ी,
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ||

तेरे बिना लागे जग सुना ,
तेरे बिना कुछ भाये ना ।
तू ममता की मूरत मैया ,
हर बेसहारा की सहारा तू मैया ॥

मैं तेजस सेवा थारी जानू ,
जनम जनम उपकार यू मानु ।
दादी दादी नाम बस गाऊ मावड़ी
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ॥

बोल कुणसी सेवा निभाऊं मावड़ी ।
बोल तन्ने की कर रिझाऊं मावड़ी ॥

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/1734/title/ubo-thari-hazri-bajau-mawdi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |